पुणना International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Grade-VI

HINDI

SPECIMEN COPY

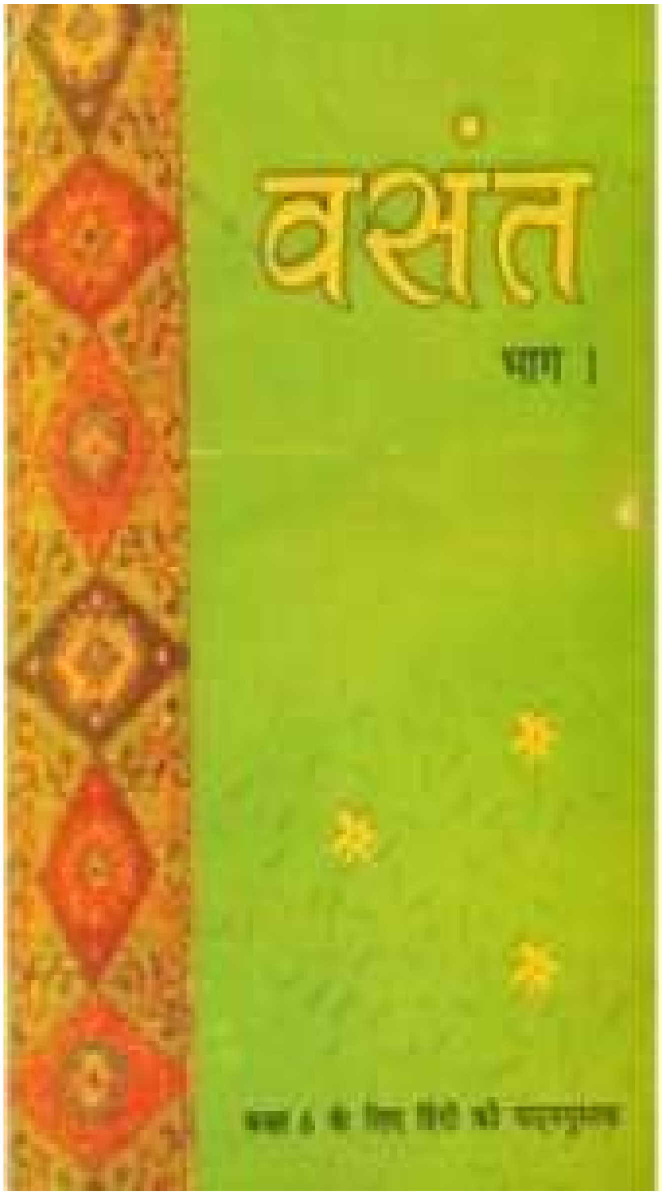
वसंत
भाग 1
कक्षा 6 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक

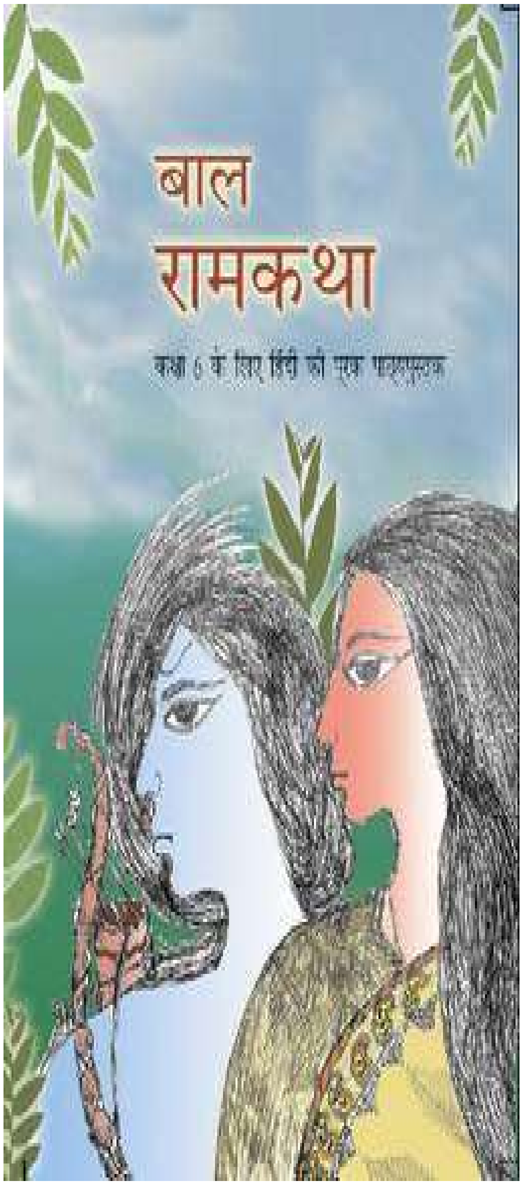
बाल रामकथा
कक्षा 6 के लिए हिंदी की पूरक पाठ्यपुस्तक

कमांक	महीना	पाठ के नाम	
1	अपल	अ-पाठ-1-वो चिड़िया जो----	
		ब-व्याकरण-भाषा, लिपि, व्याकरण	
		क-लेखन भाग-पत्र	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-2-बचपन	
		ब-व्याकरण-वर्ण-विचार	
		क-लेखन भाग-निबंध	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-1-अवधपुरी में राम	
		पाठ-2-जंगल और जनकपुर	
2	जून	अ-पाठ-3-नादान	
		ब-व्याकरण-संज्ञा	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-4-चाँद से थोडी-सी बातें	
		ब-व्याकरण-सर्वनाम	
		क-लेखन भाग-पत्र	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-3-दो वरदान	
		पाठ-4-राम का वन गमन	
3	जुलाई	अ-पाठ-5-अक्षरों का महत्व	
		ब-व्याकरण-विषेशण	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-6-पार नजर के	
		ब-व्याकरण-किया	
		क-लेखन भाग-अनुच्छेद	
		ग-गतिविधि	

		अ-पाठ-7 साथी हाथ बढ़ाना(गीत)	
		ब-व्याकरण-काल	
		क-लेखन भाग-सूचना	
		ग-गतिविधि	
		अ-पाठ-8-ऐसे-ऐसे	
		ब-व्याकरण-लिंग	
		क-लेखन भाग-संवाद	
		ग-गतिविधि	
		पाठ-5-चित्रकूट में भरत	
		पाठ-6-दंडक वन में राम	

पाठ-3 नादान

(लेखक-प्रेमचंद)

शब्दार्थ-

1) कार्निस-दीवार के ऊपर का आगे बढ़ा हुआ भाग
2) दशक - दस वर्ष
3) सुध- याद, होश
4) तसल्ली- दिलासा, ढाढ़स
5) अनुमान- अंदाजा
6) प्रस्ताव-सुझाव
7) पेचीदा-मुश्किल
8) सूराख- छेद
9) थामना-पकड़ना
10) हिफ़ाजत- सुरक्षा

अ- अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) केशव और उसकी बहन सुबह-सुबह आँखे मलते हुए कहाँ पहुँच जाते थे?

उ-केशव और उसकी बहन सुबह-सुबह आँखे मलते हुए कार्निस के सामने पहुँच जाते थे?

2) श्यामा मटके से क्या निकालकर लाई थी?

उ- श्यामा मटके से पानी निकालकर लाई थी।

3) कार्निस के ऊपर कितने अंडे थे?

उ-कार्निस के ऊपर तीन अंडे थे?

4) केशव ने किसे पालने की योजना बनाई थी?

उ- केशव ने चिड़ा और चिड़िया के बच्चे पालने की योजना बनाई थी?

5) केशव कभी-कभी क्या याद करके रोता था।

उ- अंडों की हिफ़ाजत करने के जोग में उसने उनका सत्यानाश कर डाला। इसे कभी-कभी याद करके वह रोता था।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

6) केशव और श्यामा के मन मेंचिड़िया के अंडों को लेकर किस-किस प्रकार के प्रश्न उठते थे?

उ-केशव और श्यामा के मन में अंडों को लेकर अनेक प्रश्न उठते थे जैसे कि अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? क्या खाते होंगे?उनमें से बच्चे किस तरह आएँगे? बच्चों के पर कैसे निकलेंगे? घोंसला कैसा है?क्योंकि वे अंडोंके बारे में जानना चाहते थे।

7) केशव ने श्याम से चिथड़े,टोकरी और दाना-पानी मँगाकर कार्निस पर क्यों रखे थे?

उ- जब केशव ने देखा कि अंडें कुछ तिनको पर रखे है तो उसने चिथड़े बिछाकर उस पर अंडें रख दिए।टहनी से टोकरी

8) प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा।तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उ-मै इस काहानी में वर्णित बचपन की नादानियों को देखते हुए इसका नाम 'बचपन की नादानियाँ' रखना चाहुँगा।

क-दीर्घ प्रश्न-उत्तर लिखो।

9) पाठ के अधार पर बताओ कि अंड गंदे क्योंहुए और उन अंडों का क्या हुआ?

उ-केशव के छुने से चिडिया के अंडे गंदे हो गए।किसी के हाथ लगाए अंडोंको चिड़िया नही सेती। चिड़िया अंडों को घोंसले से गिरा देती है और इस तरह अंडे बर्बाद हो जाते हैं।

10) केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडोंकी देखभाल के लिए किन तीन बातों का ध्यान रखा?

उ- केशव और श्यामा ने चिड़िया और अंडों की दखभाल के लिए निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा-

1-अराम के लिए कपड़ा बिछाया।

2-धूप से बचाने के लिए टोकरी से ढक दिया।

3-पास मेंदाना और पानी की प्याली भी रखी।

व्याकरण

(संज्ञा)-किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, प्राणी और भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं।

संज्ञा के भेद-

1-व्यक्तिवाचक संज्ञा-केदारनाथ, ताजमहल, रानायण, चेतक(घोड़ा)।

2-जातिवाचक संज्ञा-पुस्तक, दीवार, लड़का, देश, नगर, मछली।

3-भाववाचक संज्ञा-मिठास, बचपन, पढ़ाई, हँसी।

लेखन-भाग

अनुच्छेद ळ ञ काल करे सो आज करञ

रुपरेखा : समय का महत्वळ कल का काम आज करेंळ समय कैसे जीवन को सफल बनाता है

समय का मनुष्य के जीवन में एक विशेष स्थान होता है। आज का काम कल पर नहीं छोड़ना चाहिए क्योंकि कल क्या परिस्थितियाँ हों कोई नहीं जानता। हो सकता है कि कल कोई दूसरा अति आवश्यक कार्य सामने आ खड़ा हो। जो समय का महत्व नहीं समझते वह अक्सर जिंदगी की दौड़ में पीछे रह जाते हैं। पकी फसल को समय पर न काट, कल पर छोड़ा जाए, तो हो सकता है कल बारिश पड़ने लगे और सारी फसल ही नष्ट हो जाए। धन, स्वास्थ, प्रतिष्ठा आदि खोकर वापिस पाए जा सकते हैं लेकिन बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। समय तो अल्पकालिक है, जिसमे नया क्षण तभी मिलता है जब पिछला क्षण चला जाता है। हमें प्रकृति और विभिन्न ऋतुं से सीख लेनी चाहिए। सूर्य समय पर न निकले तो हम अन्धकार में डूब जाएगें, मौसम समय पर न बदले तो अनाज के अभाव में हम भूखे मर जाएंगे। आज के कार्य को यथाशीघ्र ही करना उचित है। समय का जो समुचित उपयोग करते हैं हमेशा आत्मविश्वास के साथ प्रगति के पथ पर अग्रसर होते चले जाते हैं। इसीलिए संत कबीर कह गए हैं ळ

काल करे सो आज कर, आज करे सो अब
पल में परलय होएगी, बहुरि करेगा कब।

गतिविधि-घोंसला और चिड़िया का चित्र बनाकर रंग भरो।

पाठ-4 चाँद से थोड़ी-सी बातें(कविता)

(लेखक-श्री शमशेर बहादुर सिंह)

शब्दार्थ-

1) गोरा-चिटटा-बहुत सफ़ेद

2) पोशाक- वेशभूषा

3) गोकि-चूँकि

4) निरा-एकदम

5) दम लेना-विश्राम करना

6) गोल हो जाना-गायब हो जाना

7) मरज़-रोग ,बीमारी

अतिलघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1) कविता के कवि का नाम लिखिए।

उ-श्री शमशेर बहादुर सिंह।

2) कौन गोल होकर भी तिरछा नज़र आता है?

उ- चाँद गोल होकर भी तिरछा नज़र आता है।

3) कौन क्या पहने हुए है?

उ- चाँद कुल अकाश पहने हुए है।

4) चाँद का मुँह कैसा ह?

उ-चाँद का मुँह गोरा-चिटठा है।

5) किसकी पोशाक कहाँ फैली है?

उ- चाँद की पोशाक चारों सिम्त में फैली हुई है।

ब-लघु प्रश्न-उत्तर लिखो।

1- कविता में आप पहने हुए हैं कुल आकाश कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

उत्तरः- कविता में आप पहने हुए हैं कुल आकाश कहकर लड़की कहना चाहती है कि चाँद तारों से जड़ी हुई चादर ओढ़कर बैठा है।

2-यह मरज़ आपका अच्छा ही नहीं होने में आता है।

उ-कवि यह कहना चाहता है कि चाँद को कोई बीमारी है जो कि अच्छा होता हुआ प्रतीत नहीं होता क्यों कि जब ये घटते हैं तो केवल घटते ही चले जाते हैं और जब बढ़ते हैं तो बिना रूके दिन प्रति दिन निरन्तर बढ़ते ही चले जाते हैं। तब-तक, जब-तक ये पूरे गोल न हो जाए। कवि की नज़र में ये सामान्य क्रिया नहीं है।

3- हमको बुद्धू ही निरा समझा है कहकर लड़की क्या कहना चाहती है?

उत्तरः- हमको बुद्धू ही निरा समझा है कहकर लड़की कहना चाहती है कि उसे पता है कि चाँद को कोई बीमारी है जो ठीक होने का नाम नहीं ले रही है। इस बीमारी के कारण कभी वे घटते जाते हैं तो कभी बढ़ते-बढ़ते इतने बढ़ते है कि पूरे गोल हो जाते हैं।

व्याकरण

सर्वनाम

सर्वनाम का अर्थ होता है ळ सब का नाम। जो शब्द संज्ञा के नामों की जगह प्रयुक्त होते हैं उसे सर्वनाम कहते हैं।

सर्वनाम के भेद :-

ऋं पुरुषवाचक सर्वनाम
धं निजवाचक सर्वनाम
टं निश्चयवाचक सर्वनाम
थं अनिश्चयवाचक सर्वनाम
त्रं संबंधवाचक सर्वनाम
घं प्रश्नवाचक सर्वनाम

लेखन-भाग

आपकी खोई हुई पुस्तक किसी अपरिचित द्वारा लौटाए जाने पर आभार व्यक्त करते हुए पत्र लिखिए।

जीटीबीनगर,
दिल्ली।

दिनांक धट अप्रैल, धएश्श

आदरणीय कैलाश मिश्राजी,
नमस्कार ढ

कल मुझे डाक से एक पार्सल मिला। पार्सल खोलने पर मुझे यह देखकर अत्यन्त आश्चर्य हुआ साथ ही प्रसन्नता भी हुई कि उस में मेरी खोई हुई वही पुस्तक मौजूद थी, जिसके लिए मैं काफी परेशान था। पहले तो मैं विश्वास हीन हींकर पाया कि वर्तमान युग में भी कोई व्यक्ति इतना भला हो सकता हैं, जोडाक–व्यय स्वयं देकर दूसरों की खोई वस्तु लौटाने का कष्ट करे। मैं आपका हार्दिक धन्यवाद करता हूँ।यह पुस्तक बाजार में आसानी से उपलब्ध नहीं होती तथा मेरे लिए यह एक अमूल्य वस्तु हैं।आपने पुस्तक लौटाकर मुझ पर बहुत बड़ा उपकार किया हैं।इसके लिए मैं हमेशा आपका आभारी रहूँगा।

एक बार पुनः मैं आपको धन्यवाद करता हूँ।

आपका शुभाकांक्षी,
इन्द्रमोहन

पाठ-२ जंगल और जनकपुर

शब्दार्थ-

१-बस्ती :-गाँव

२- प्रहार :- आक्रमण

३ -अंतर :- फर्क

४ - आश्वस्त :- भरोसा

५- प्रत्यंचा :- धनुष पर चढ़ाने वाली डोरी

६- अभिनंदनः- स्वागत

७- तूणीर :- तरकश

८- हतप्रभ :- हैरान

प्रश्नों के उत्तर लिखो ।

१-वन मे विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को कौन सी विधाएँ सिखाई ?

उत्तर-विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को बला और अतिबला नाम की विधाएँ सिखाई ।

२-ताड़का वध से प्रसन्न विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को क्या दिया ?

उत्तर- विश्वामित्र ने राम-लक्ष्मण को सौ नए अस्त्र-शस्त्र दिए और अनेक प्रयोग की विधि बताई।

३-मारिच क्योंक्रोधित था?

उत्तर-राम ने मारिच की माँ ताड़का का वध किया था इसलिए वह क्रोधित था।

४-राजा जनक की क्या प्रतिज्ञा थी ?

उत्तर-राजा जनक की प्रतिज्ञा थी कि वे अपनी पुत्री सीता का विवाह उसी राजकुमार से करेंगे जो विशाल शिव धनुस पर प्रत्यंचा चढ़ा सकेगा।

पाठ–3 दो वरदान

शब्दार्थ-

1) शिथिल-कमजोर 2) षड़यंत्र-किसी के खिलाफ बुरी योजना बनाना

3) तुमलध्वनि-तेज़ आवाज़ 4) अव्यक्त-अप्रकट

5) कोपभवन-रूठकर बैठने का कारण 6) प्रतिहारी-दासी

7) संकल्प-पक्का इरादा

श्न–ऋ राजा दशरथ के मन में एकमात्र इच्छा क्या थी ?

उत्तर– राजा दशरथ के मन में एकमात्र इच्छा थी कि राम का राज्याभिषेक हो।

प्रश्न–ध राम के अयोध्या वापस लौटने पर राजा दशरथ ने क्या किया ?

उत्तर– राम के अयोध्या वापस लौटते ही राजा दशरथ ने राम को राज – काज में शामिल करना शुरू कर दिया।

प्रश्न–ट राजा दशरथ ने दरबार में क्या कहा ?

उत्तर – राजा दशरथ ने दरबार में कहा कि वह अब बुढे हो गए हैं और वह सारा कार्यभार राम को सौंप देना चाहते हैं । अगर सभी सहमत हो तो राम को युवराज का पद देना चाहते हैं और अगर किसी की राय भिन्न है तो वह विचार करने के लिए भी तैयार हैं ।

प्रश्न–थ दरबार में सभा की क्या प्रतिक्रिया थी ?

उत्तर – सभा ने तुमुल ध्वनि से राजा दशरथ के प्रस्ताव का स्वागत किया ।

प्रश्न–त्र भरत और शत्रुघ्न कहाँ गए थे ?

उत्तर – भरत और शत्रुघ्न अपने नाना केकयराज के यहाँ गए हुए थे ।

---

----------